कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा), रोहतास

द्वितीय तल, संयुक्त कृषि भवन, फजलगंज सासाराम, पिन– 821115

टेलीफोन–06184 221052, 9431818733(M)ई–मेल–atmarohtas@gmail. com

पत्रांक– 1025 /आत्मा, दिनांक– 13-12-2022

प्रेषक,

जिला कृषि पदाधिकारी
–सह–
परियोजना निदेशक, आत्मा रोहतास।

सेवा में,

निदेशक, बामेती
बिहार पटना।

विषयः– सफलता की कहानी उपलब्ध कराने के सम्बंध में।

प्रसंगः– आपका पत्रांक–534, दिनांक–06.12.2022।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के आलोक में आत्मा रोहतास द्वारा बिहार कौशल विकास मिशन योजना के तहत प्रशिक्षण से सम्बंधित प्रतिवेदन इस पत्र के साथ संलग्न कर भेजी जा रही है।

अनुलग्नकः–..... पन्ने।

विश्वासभाजन

13.12.22

जिला कृषि पदाधिकारी
–सह–
परियोजना निदेशक, आत्मा रोहतास।

13/12

कृषि / कृषि के संबंध क्षेत्रों में सफलता की कहानी

कहानी का विषय – मशरूम उत्पादन एवं फल से उत्पादित मिठाई एवं घरेलू उपयोग में खायी जाने वाली पापड़, चीप्स, जैम, जेली, आचार इत्यादि।

1. किसान का नाम – संगिता गुप्ता

2. पिता / पति का नाम – संजय प्रसाद गुप्ता

3. पूरा पता – ग्राम– बिक्रमगंज, पो0–बिक्रमगंज, थाना– बिक्रमगंज, प्रखण्ड– बिक्रमगंज, जिला– रोहतास।

ग्राम – बिक्रमगंज

पोस्ट– बिक्रमगंज

थाना – बिक्रमगंज

प्रखण्ड – बिक्रमगंज

जिला – रोहतास

4. किसान का मोबाईल सं0 – 8409561087

5. किसान के पास खेती योग्य भूमि – 3 एकड़

6. सिंचित क्षेत्र – 3 एकड़

7. असिंचित क्षेत्र – शून्य

8. किसान का प्रकार – व्यक्तिगत

(स्वयं सहायता समूह / कृषक हित समूह / खाद्य सुरक्षा समूह महिलाओं के लिए / किसान उत्पादक संगठन के सदस्य / व्यक्तिगत)

अगर समूह / संगठन के सदस्य है तो समूह का नाम, निबंधन करने वाली संस्था का नाम, निबंधन संख्या एवं तिथि का उल्लेख करें –

निबंधन सं0 –

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण 250 शब्दों में –

(स्वयं अथवा समूह/संगठन के संबंध में जानकारी, पूर्व के क्षेत्र/ कार्य एवं आर्थिक स्थिति का विवरण)

नाम– संगिता गुप्ता, पति– संजय प्रसाद गुप्ता ग्राम– बिक्रमगंज, पोस्ट–बिक्रमगंज, थाना– बिक्रमगंज के निवासी है इनका जन्म लगभग 1976 ई0 में मध्यम वर्ग के परिवार में हुआ। इन्होनें 1990 में बिहार बोर्ड की परीक्षा पास किया इसके बाद 1992 में में इन्टर की परीक्षा पास की और इसके बाद इनकी शादी हो गई जिससे की आगे पढ़ाई नहीं कर पायी किसी तरह इनका परिवारिक जीवन चल रहा था इसी बीच इन्होने ने तीन पुत्री एवं दो पुत्र को जन्म दिया संतान उत्पति के बाद उनके भरण–पोषण पढ़ाई लिखाई एवं रहन सहन पर काफी प्रतिकुल प्रभाव पड़ रहा था इनकम का कोई जरिया दिखाई नहीं देने के कारण इन्होने शुरू में काफी कुछ करना चाहा लेकिन सफलाता नहीं मिली फिर ये सिलाई–बुनाई का काम कुछ दिन तक की उससे भी इनको ज्यादा इनकम नहीं हुआ ये मन ही मन बहुत दुखित और अपने आप को हीन भावना से ग्रसित समझ रही थी तभी 2010 में कृषि विभाग द्वारा एक गोष्ठी चलाया जा रहा था उसी में कुछ बात इन्होने सुना और उसको अपने जीवन में उतारने की ठान ली और इनपर एक मुहावरा सटीक साबित होता है कि जब मानव जोर लगाता है पत्थर पानी बन जाता है। और मानव अपने जीवन में सभी असंभव को संभव अपने जज्बा से कर सकता है।

10. सफलता की कहानी 500 शब्दों में –

(किये जाने वाला कार्य के संबंध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी, उत्पाद कब और कहाँ बेचते है तथा तकनीकी एवं वितीय सहायता कहा से प्राप्त की है का पूर्ण विवरण)

10.1. किये गये कार्य का 2–3 रंगीन फोटो किसान/समूह के साथ (फोटो को अपलोड करें/आवेदन में चिपकाएँ)

यह शुरूआत जनवरी 2012 से मशरूम उत्पादन के साथ शुरू की शुरू में इनको जानकारी के अभाव में कुछ परेशानी हुआ इसके बाद इन्होने कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग के कर्मियों से लगातार सुझाव लेती रही और उत्पान का भी कार्य जारी रखी धीरे–धीरे इनकों आमदनी का अच्छा स्त्रोत आने लगा और आमदनी आते देखकर परिवार का भी भरपुर सहयोग मिलने लगा शुरू–शुरू में मशरूम के बारे में लोगो को जानकारी न होने के कारण उसके बाजार में बिकने में समस्या आ रही थी तो इन्होने मशरूम के साथ–साथ जैम, जेली, अचार, स्कैवस, पापड़, चिप्स एवं देशी खाद्य समाग्री जैसे तीसौरी, तिलौरी, गुड़ का लड्डू, बेसन का लड्डू, पपीता का लड्डू, ऑवला का मोरब्बा बनाना शुरू कर दी जिससे इनको और इनके परिवार को सालो भर रोजगार मिल गया एवं इनको सालो भर आमदनी का जरिया भी मिल गया इन्होने साल 2018 में कौशल विकाश मिशन के तहत मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण जैम–जेली–आचार पर प्रशिक्षण एवं विभिन्न प्रकार के खाद्य समाग्री पर प्रशिक्षण प्राप्त की इनमें एक बात बहुत सकरात्मक है कि इनमें सिखने और पढ़ने की भूख अभी भी एक युवा से बेहतर है इन्होने ने अपनी आमदनी तो बढ़ाया ही इन्ही समय में 2019 में इतिहास (प्रतिष्ठा) की उपाधि भी धार की इनकों जिलास्तरीय, राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रीयस्तर पर बहुत से पुरस्कार और सराहनीय कार्य के लिए कई प्रमाण पत्र मिला है। इनकी छवि बहुत ही लोकप्रिय है और इतना ख्याति पाने के बाद भी सरल व्यक्त्वि की है और साल 2021–22 में इन्होने इस बिजनेस को नया आयाम दी इन्होने अपने दम पर महिला यशस्वी उद्योग का स्थापना करायी और उसका प्रोपराईटर बनी। आज इनके पास साल भर चार वर्कर रहती है एवं सीजन एवं जरूरत के अनुसार 20–25 वर्कर को रोजगार भी दे रही है इनका सालाना इनकम लगभग 4–5 लाख रूपया है। और ये अपने उद्योग को और भी विकसित करने के लिए प्रयासरत है और कृषि विभाग एवं इसके संबंधित विभाग के पदाधिकारियो द्वारा इनको समय–समय पर मार्गदर्शन दिया जाता है। और विभागीय पदाधिकारियों के मार्गदर्शन ही ये सबकुछ संभव हो पाया है खुद उनसे बात करने पर वो बताती है कि विभागीय पदाधिकारियों का सहयोग और मार्गदर्शन मुझे नहीं मिलता तो किसी की बस की बात नहीं

है क्योंकि ये खुद कहती की व्यक्ति के पास उर्जा का अपार भंडार है लेकिन उस उर्जा का सकारात्मक और सही दिशा में उपयोग करने की कला एक अच्छे पदाधिकारी और कृषि वैज्ञानिक ही बता सकते है। और इन्ही सभी लोगो की सहयोग हमकों और पुरे लोगो को भरपुर मिलता है जिससे आज रोहतास जिला धान के कटोरा होने के बावजूद भी मशरूम उत्पादन मधुमक्खी पालन फल एवं सब्जी का खेती फूल का खेती बागवानी आदि करके लोग लाखों कमा रहे है और उनलोगो से और लोग भी सीख रहे है।

10.1. किये गये कार्य का 2–3 रंगीन फोटो किसान/समूह के साथ (फोटो को अपलोड करें/आवेदन में चिपकाएँ)

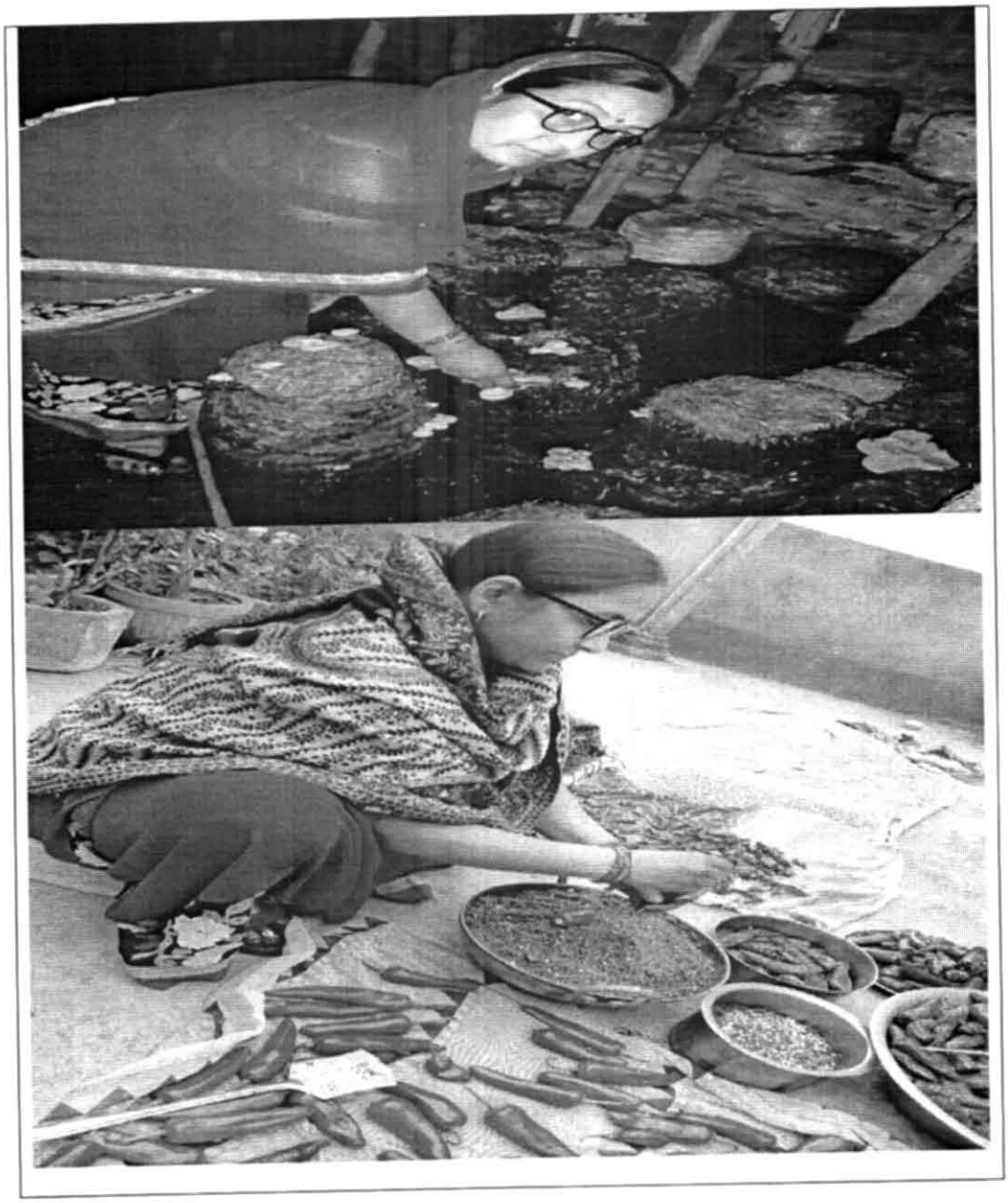

11. सफलता के लिए महत्वपूर्ण तत्व/घटक –

(व्यक्तिगत प्रयास/आत्मा से सहयोग/अन्य विभाग से सहयोग)

प्रखण्ड कृषि कार्यालय से इनको आत्मा का प्रशिक्षण का पता चला लेकिन महिला होने के कारण आत्मा द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सासाराम जाने में असमर्थ थी फिर इनको कृषि विज्ञान केन्द्र बिक्रमगंज में ही प्रशिक्षण के लिए आवेदन कराया गया।

आत्मा से सहयोग एवं कृषि विभाग से सहयोग

12. स्थानीय स्तर पर किसानों के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव

लोग इनकी काफी इज्जत करते है और लोग कहते है कि शुरू में इनको कोई पहचनाता भी नही था लेकिन आज के समय में सब लोग इनकी राय लेते है चाहे वो खेती हो या गाँव को कोई अन्य काम हो इनकी राय की प्राथमिकता दी जाती है समय हमेशा बलवान होता है यही इनकी वाणी है।

13. सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र –

14. क्षेत्रवार लागत मूल्य, प्राप्त आमदनी एवं शुद्द आय का विवरण (रु0 में) –

क्र0 सं0	विवरण	अपनाने के पूर्व का विवरण				अपनाने के बाद का विवरण			
		प्रक्षेत्र 1	प्रक्षेत्र 2	प्रक्षेत्र 3	प्रक्षेत्र 4	प्रक्षेत्र 5	प्रक्षेत्र 6	प्रक्षेत्र 7	प्रक्षेत्र 8
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	फसल/क्षेत्र/कार्य का नाम	धान	गेहूँ	मशरूम	मुर्गा	धान	गेहूँ	मशरूम	जैम,जेली,अचार इत्यादि
2.	फसल मौसम में फसल/उत्पाद की मात्रा (क्वीं में)	70q/hec	40q/hec	शून्य	शून्य	80q/hec	56q/hec	800-1000 kg	300-600 kg
3.	उत्पाद का बिक्री मूल्य दर (रु0/क्वीं)	1,200 Rs.	1,400 Rs.	शून्य	शून्य	1,650 Rs.	1,850 Rs.	120-150 Rs./ Kg	300-500 Rs./kg
4.	फसल मौसम में कुल आगत मूल्य	84,000 Rs.	56,000 Rs.	शून्य	शून्य	132,000 Rs.	103.600 Rs.	100,000-150,000 Rs.	2,00000-3,00000 Rs.
5.	उत्पादन का मूल्य(बीज, खाद, कीटनाशी, जुताई–बुआई, सिंचाई, कटाई, दौनी एवं अन्य)	20,000 Rs.	15,000 Rs.	शून्य	शून्य	18,000 Rs.	12,000 Rs.	12,500 Rs.	50,000 Rs.
6.	मजदूर खर्च (रु0में)	6,000 Rs.	4,000 Rs.	शून्य	शून्य	9,000 Rs.	5,500 Rs.	8,500 Rs.	30,000 Rs.
7.	अन्य लागत खर्च (रु0 में)	3,500 Rs.	3,500 Rs.	शून्य.	शून्य	6,500 Rs.	3,800 Rs.	5,500 Rs.	20,000 Rs.
8.	कुल लागत खर्च (रु0 में)	29,500 Rs.	22,500 Rs.	शून्य	शून्य	33,500 Rs.	21,300 Rs.	26,500 Rs.	1,00000 Rs.
9.	शुद्द आय/ बचत (रु0 में)	54,500 Rs.	33,500 Rs.	शून्य	शून्य	98,500 Rs.	82,300 Rs.	80,000-100000 Rs.	2,00000 Rs.

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी में सही है। भविष्य में कोई भी सूचना गलत पाये जाने पर मुझे सरकारी अनुदान/लाभ से वंचित किय जा सकता है तथा इसके लिए मैं पूर्ण रूप से जिम्मेवार रहूँगी ।

किसान का हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक/सहायक
तकनीकी प्रबंधक, बिक्रमगंज,रोहतास

हस्ताक्षर

परियोजना निदेशक
आत्मा , रोहतास

कृषि/कृषि के संबद्ध क्षेत्रों में सफलता की कहानी

कहानी का विषय –

1. किसान का नाम – अरुण राय

2. पिता/पति का नाम – स्व० ललन सिंह

3. पूरा पता –ग्राम– धनिलापुर, पो०- गौरिक्षा

गाँव/मुहल्ला – धनिलापुर

पोस्ट – गौरिक्षा

थाना – गौरिक्षा

प्रखंड – नोखा

जिला – रोहतास

4. किसान का दूरभाष/मोबाईल सं0– 9955468998

5. किसान के पास खेती योग्य भूमि (हे0 में) – 0.4

6. सिंचित क्षेत्र (हे0 में) – 0.4

7. असिंचित क्षेत्र (हे0 में) – 0

8. किसान का प्रकार –पशुपालन हित समूह, के कोषाध्यक्ष

(स्वयं सहायता समूह/कृषक हित समूह/खाद्य सुरक्षा समूह महिलाओ के लिये/किसान उत्पादक संगठन के सदस्य/व्यक्तिगत)

अगर समूह/संगठन के सदस्य है तो समूह का नाम, निबंधन करने वाली संस्था का नाम, निबंधन संख्या एंव तिथि का उल्लेख करें –

निबंधक सहकारी समिति

निबंधन सं० – 3118

तिथि – 31-03-2013

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण 250 शब्दों में –

(स्वंय अथवा समूह/संगठन के संबंध में जानकारी, पूर्व के क्षेत्र/कार्य एंव आर्थिक स्थिति का विवरण)

श्री अर्जुन राम का जन्म एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में हुआ। इनके पिताजी श्री ललन सिंह परंपरागत किसान थे। परंपरागत खेती से आय कम होने के कारण से परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। श्री अर्जुन जी अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात पिता का सहयोग करने का निश्चय किया किन्तु उचित लाभ नहीं प्राप्त होने के कारण काफी चिन्तित रहा करते थे। इसी बीच इनकी मुलाकात सुधा (शाहाबाद को०) के एक पदाधिकारी से हुई जिन्होंने इन्हें सोसायटी गठन करने की सलाह दी।

10. सफलता की कहानी 500 शब्दो में –

(किये जाने वाला कार्य के संबंध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी, उत्पाद कब और कहाँ बेचते है तथा तकनीकी एंव वितीय सहायता कहाँ से प्राप्त की है का पूर्ण विवरण)

श्री अर्जुन जी शाहाबाद को० की एक सोसायटी संचालित करने लगे। साथ-ही साथ एक बल्क मिल्क कूलर संयंत्र स्थापित किये। इन्होंने स्वयं 20 गायों का पशुपालन शुरू किया जिससे कृषि के साथ-साथ पशुपालन एवं दुग्ध शीतलन केन्द्र से अच्छी आय प्राप्त होने लगी और इनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगा। इसके बाद इन्होंने समेकित कृषि प्रणाली अपनाया जिसमें इन्होंने मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन, बागवानी का कार्य प्रारंभ किया। आज इनकी स्थिति पहले से काफी अच्छी हो गयी है। अब इन्होंने दुग्ध संयंत्र लगाने का निश्चय किया है जिसके लिए कार्यरत है।

10.1. किये गये कार्य का 2–3 रंगीन फोटो किसान/समूह के साथ (फोटो को अपलोड करें/आवेदन में चिपकाएँ)

11.सफलता के लिये महत्वपूर्ण तत्व/घटक –

(व्यक्तिगत प्रयास/आत्मा से सहयोग/अन्य विभाग से सहयोग)

आत्मा से सहयोग एवं कृषि विभाग से सहयोग

12. स्थानीय स्तर पर किसानो के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव –

13. सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र –

14. क्षेत्रवार लागत मूल्य, प्राप्त आमदनी एवं शुद्ध आय का विवरण (रु0 में) –

क्रम सं0	विवरण	अपनाने के पूर्व का विवरण		अपनाने के बाद का विवरण	
		प्रक्षेत्र 1	प्रक्षेत्र 2	प्रक्षेत्र 3	प्रक्षेत्र 4
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	फसल/क्षेत्र/कार्य का नाम	धान	गेहूँ	गोभी	मिर्ची
2.	फसल मौसम में फसल/उत्पाद की मात्रा (क्वीं में)	10	8	200	100
3.	उत्पाद का विक्री मूल्य दर (रु0/क्वी)	1600	1900	1500	2000
4.	फसल मौसम में कुल लागत मूल्य	6000	8000	25000	35000
5.	उपादान का मूल्य (बीज, खाद, कीटनाशी, जुताई–बुआई, सिंचाई, कटाई, दौनी एवं अन्य)	25000	22000	300000	200000
6.	मजदूर खर्च (रु0 में)	4000	1000	7000	8000
7.	अन्य लागत खर्च (रु0 में)	700	300	4000	3000
8.	कुल लागत खर्च (रु0 में)	10700	7300	11000	11000
9.	शुद्ध आय/बचत (रु0 में)	15000	9080	275000	165000

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी में सही है। भविष्य में कोई भी सूचना गलत पाये जाने पर मुझे सरकारी अनुदान/लाभ से वंचित किया जा सकता है तथा इसके लिए मैं पूर्ण रूप से जिम्मेवार रहूँगा।

किसान का हस्ताक्षर

28/09/2022

प्रतिहस्ताक्षर
प्रखंड तकनीकी प्रबन्धक/
सहायक तकनीकी प्रबंधक
रोहतास

हस्ताक्षर

परियोजना निदेशक
आत्मा, रोहतास।

कृषि / कृषि के संबद्ध क्षेत्रों में सफलता की कहानी

कहानी का विषय – धान के कटोरा मे सब्जी की खेती

1. किसान का नाम – अर्जुन सिंह
2. पिता / पति का नाम – श्री राजगृह सिंह
3. पूरा पता –ग्रम– मसोना , पो० - मसोना

गॉव / मुहल्ला – मसोना

पोस्ट – मसोना

थाना – संझौली

प्रखंड – संझौली

जिला – रोहतास

4. किसान का दूरभाष / मोबाईल सं0– 7950991479
5. किसान के पास खेती योग्य भूमि (हे0 में) – 2 hectare
6. सिंचित क्षेत्र (हे0 में) – 2 hectare
7. असिंचित क्षेत्र (हे0 में) – 0
8. किसान का प्रकार –पशुपालन हित समूह के कोषाध्यक्ष

(स्वयं सहायता समूह / कृषक हित समूह / खाद्य सुरक्षा समूह महिलाओ के लिये / किसान उत्पादक संगठन के सदस्य / व्यक्तिगत)

कृषक हित समूह मसोना के अध्यक्ष है
प्रगतिशील किसान क्लब (KVK) बिक्रमगंज से जुड़े है
इस क्लब के अध्यक्ष है।

अगर समूह / संगठन के सदस्य है तो समूह का नाम, निबंधन करने वाली सस्था का नाम, निबंधन संख्या एंव तिथि का उल्लेख करें –

कृषि प्रौधोगिकी प्रबन्ध अभिकरण (आटमा) रोहतास
24 - 8 - 2012

निबंधन सं0 –

क्र० संख्या - 2012-13/106

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण 250 शब्दों में –

(स्वंय अथवा समूह/संगठन के संबंध में जानकारी, पूर्व के क्षेत्र/कार्य एंव आर्थिक स्थिति का विवरण)

श्री अर्जुन सिंह का जन्म एक मध्यवर्गीय किसान परिवार मे हुआ इनके पिताजी श्री राजगृह सिंह परंपरागत किसान थे। परंपरागत कृषि से आय कम होने के कारण परिवार की स्थिति अच्छी नही थी आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण श्री सिंह अधिक शिक्षा ग्रहण नही कर पाये, इंटरस्तरीय पढाई पूरी करने के बाद पिता का सहयोग करने का निश्चय किया किन्तु उचित लाभ प्राप्त नही होने के कारण चिन्तीत रहते थे पारम्परिक विधि से खेती करने के कारण पैदवार कम होती थी इसी बिच श्री सिंह की मुलाकात आत्मा के पदाधिकारी से हुई, 2012 मे आत्मा के प्रसार कर्मी के संपर्क मे आए और कृषक हित समूह से जुड़े फिर उसके बादसे के नई - नई तकनीक की जानकारी और अच्छे संस्थानो से सब्जी की

10. सफलता की कहानी 500 शब्दो में –

(किये जाने वाला कार्य के संबंध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी, उत्पाद कब और कहाँ बेचते है तथा तकनीकी एंव वितीय सहायता कहाँ से प्राप्त की है का पूर्ण विवरण)

श्री सिंह कृषक हित समूह मसोना के अध्यक्ष चुने गये और अपने समूह को आत्मा एवं KVK की मदद से अच्छे से चला रहे है 2012 से KVK विक्रमगंज से जुड़ने के बाद नई - नई तकनीक से खेती के साथ - साथ पौधा नर्सरी भी है जो KVK विक्रमगंज को बेचा जाता है सब्जी का अच्छा उत्पादन होने से इनके यहाँ से सब्जी को दूर - दूर की मंडियो को भेजा जाता है श्री सिंह आलू, टमाटर, फूलगोभी बोकी, बोरो, बैगन, पत्तागोभी की अच्छी पैदवार कर लेते है पैदवार को बनारस, मेरठ, मिर्जापुर, पटना, बेतिया, नेपाल, पं.बंगाल के सब्जी मन्डी मे भेजा जाता है जिससे अच्छी आमदनी प्राप्त होती है सब्जी की खेती कर श्री सिंह अच्छा लाभ कमा रहे है जिससे अपने परिवार का भरण - पोषण अच्छे ढंग से कर रहे है जिला उद्यान कार्यालय से श्री सिंह को उद्यान प्रदर्शनी में कई पुरस्कार प्राप्त हुए है KVK विक्रमगंज से स्टॉल प्रदर्शनी मे कई पुरस्कार प्राप्त है। इसके आलावा श्री सिंह

किसान का विकास

(...) आप की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण 250 शब्दों में [illegible]

[illegible] समूह / संगठन के संबंध में जानकारी पूर्व [illegible] उल्लेख किजिये

[illegible])

खेती का प्रशिक्षण मिला आत्मा द्वारा कई संस्था मे प्रशिक्षण
के लिए भेजा गया। आत्मा के साथ-साथ वे KVK विक्रमगंज
से भी जुड गए प्रगतिशील किसान क्लब (KVK) विक्रमगंज
के अध्यक्ष है. KVK के वैज्ञानिको एवं आत्मा के प्रसार
कर्मी के सम्पर्क मे आने से श्री सिंह को बहुत सी
तकनीक की जानकारी हुई जिसका उपयोग कर अच्छा
आमदनी किया जा सकता था।

10. सफलता की कहानी 500 शब्दों में -

(किये जाने वाला कार्य के संबंध में शुरू से [illegible] पूरी जानकारी, उत्पाद कार्य और
[illegible] बचत है तथा तकनीकी एवं वित्तीय सहायता कहां से प्राप्त की है का पूर्ण विवरण)

~~की~~ नवाचारी कृषक सम्मेलन KVK अरवल ~~द्वारा~~ मे भाग लिये
श्री अर्जुन सिंह को जिला स्तर, राज्य स्तर पर कई पुरस्कार/
प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए है आस-पास के क्षेत्र मे ये एक
सफल किसान माने जा रहे है लोग इनसे नई तकनीक
की जानकारी लेकर खेती करते है आज इनके गाँव को
पूरे रोहतास जिला मे सब्जी की खेती के लिए जाना
जाता है गाँव के लोग सब्जी की खेती कर अच्छी
आमदनी कर रहे है इनका गाँव मसोना मार्केट हब
बन चुका है टमाटर, फूलगोभी, पत्तागोभी, बैंगन का
बहुत अधिक उत्पादन होता है सब्जी की खेती के साथ-साथ
श्री सिंह धान और गेहूं की भी खेती करते है कृषि विभाग
से चल रही योजनाओ का फायदा इन्हे प्राप्त हुआ है.
श्री सिंह कहते है कि
जिला उद्यान, आत्मा का ~~उ~~ इनके जीवन मे बहुत बडी
भूमिका है। इस तरह श्री सिंह रोहतास जिला के प्रगतिशील
किसान का अच्छा उदाहरण है इनके द्वारा धान की "Nalaki"
विकसित

variety रजिस्ट्रर्ड है। इसतरह श्री सिंह अपने साथ बहुत सारे किसानो को जागरूक किए है।

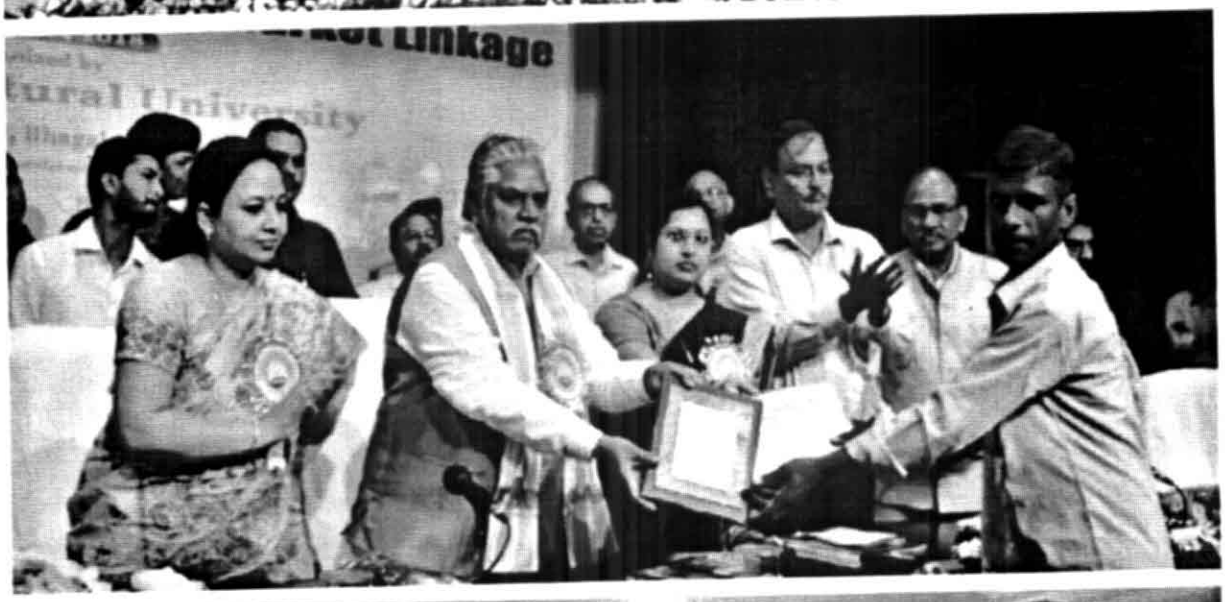

10.1. किये गये कार्य का 2–3 रंगीन फोटो किसान/समूह के साथ (फोटो को अपलोड करें/आवेदन में चिपकाएँ)

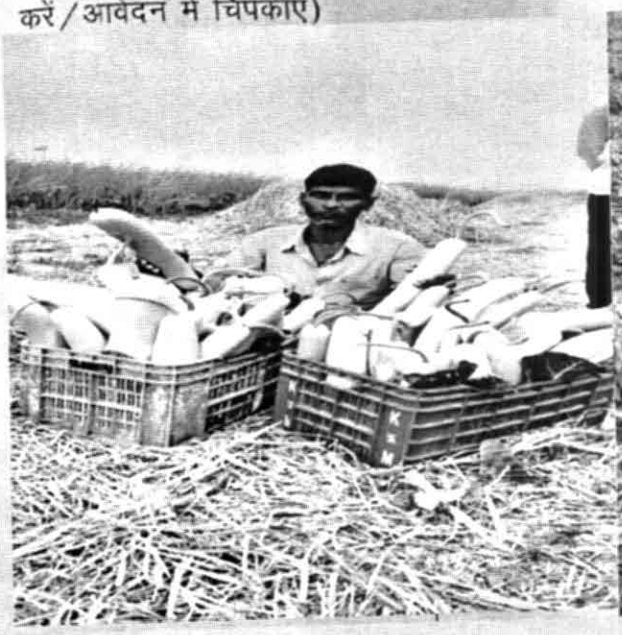

11.सफलता के लिये महत्वपूर्ण तत्व/घटक –

(व्यक्तिगत प्रयास/आत्मा से सहयोग/अन्य विभाग से सहयोग)

आत्मा से सहयोग एवं कृषि विभाग से सहयोग

12. स्थानीय स्तर पर किसानो के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव –

स्थानीय स्तर पर किसानो के बीच अर्जुन सिंह एक प्रगतिशील कृषक के रूप मे प्रसिद्ध है गाँव में किसान खेती - बारी से सम्बन्धित इनसे जानकारी लेते है। आस - पास के क्षेत्र में अच्छे किसान के रूप मे इनकी पहचान है।

13. सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार / प्रशस्ति पत्र – Tomato marketing hub Rice variety "Nataki" under PPV & Act – 2001 Awareness program held on 2 Dec 2018

14. क्षेत्रवार लागत मूल्य, प्राप्त आमदनी एवं शुद्ध आय का विवरण (रु0 में) –

कम सं0	विवरण	अपनाने के पूर्व का विवरण		अपनाने के बाद का विवरण	
		प्रक्षेत्र 1	प्रक्षेत्र 2	प्रक्षेत्र 3	प्रक्षेत्र 4
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	फसल / क्षेत्र / कार्य का नाम	टमाटर + बोरो	फूलगोभी + लौकी	धान	गेहूँ + चना
2.	फसल मौसम में फसल / उत्पाद की मात्रा (क्वीं में)	220q+ 30q= 250q/एकड़	252+160 = 412 क्विंटल/एकड़	30 क्विंटल प्रति एकड़	18+10 = 28 क्विंटल प्रति एकड़
3.	उत्पाद का बिकी मूल्य दर (रु0 / क्वीं)	1500रु/q टमाटर 2000रु/q बोरो	1500रु/q 800रु/q	1800रु/ क्विंटल	2200रु/q गेहूँ 7000रु/q चना
4.	फसल मौसम में कुल लागत मूल्य				
5.	उपादान का मूल्य (बीज, खाद, कीटनाशी, जुताई–बुआई, सिंचाई, कटाई, दौनी एवं अन्य)	8500रु	15340रु	9000 रु	14000रु
6.	मजदूर खर्च (रु0 में)	स्वयं	स्वयं	2000रु/ एकड़	स्वयं
7.	अन्य लागत खर्च (रु0 में)	1000रु	500रु.	500रु.	500रु.
8.	कुल लागत खर्च (रु0 में)	9500रु	15840रु	11500रु/ एकड़	14500रु
9.	शुद्ध आय / बचत (रु0 में)	381500रु	490160रु	12500रु	95100रु.

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी में सही है। भविष्य में कोई भी सूचना गलत पाये जाने पर मुझे सरकारी अनुदान / लाभ से वंचित किया जा सकता है तथा इसके लिए मैं पूर्ण रूप से जिम्मेवार रहूँगा।

Arjun Singh.

किसान का हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षर
प्रखंड तकनीकी प्रबन्धक /
सहायक तकनीकी प्रबंधक Archana ATM Sanjhauli
रोहतास

परियोजना निदेशक
आत्मा, रोहतास।

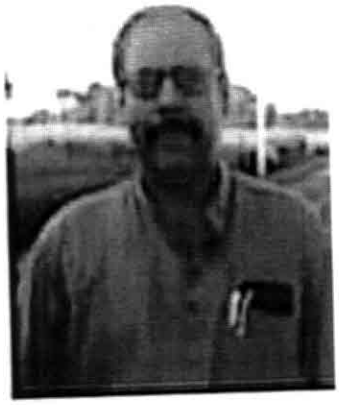

कृषि/कृषि के संबद्ध क्षेत्रों में सफलता की कहानी

कहानी का विषय – सब्जी

1. किसान का नाम – श्री चंदन कुमार सिंह
2. पिता/पति का नाम – श्री राजलक्ष्मी सिंह
3. पूरा पता –ग्राम– तरार

गाँव/मुहल्ला – तरार

पोस्ट – तरार

थाना – नोखा

प्रखंड – नोखा

जिला – रोहतास

4. किसान का दूरभाष/मोबाईल सं०– 9431484138
5. किसान के पास खेती योग्य भूमि (हे० में) – 1.5
6. सिंचित क्षेत्र (हे० में) – 1.5
7. असिंचित क्षेत्र (हे० में) – —
8. किसान का प्रकार –पशुपालन हित समूह, के कोषाध्यक्ष

(स्वयं सहायता समूह/कृषक हित समूह/खाद्य सुरक्षा समूह महिलाओं के लिये/किसान उत्पादक संगठन के सदस्य/व्यक्तिगत)

व्यक्तिगत

अगर समूह/संगठन के सदस्य है तो समूह का नाम, निबंधन करने वाली संस्था का नाम, निबंधन संख्या एंव तिथि का उल्लेख करें – •

Scanned with CamScanner

निबंधन सं० –

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण 250 शब्दों में –

(स्वंय अथवा समूह/संगठन के संबंध में जानकारी, पूर्व के क्षेत्र/कार्य एंव आर्थिक स्थिति का विवरण)

श्री धनंजय कुमार सिंह का जन्म एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में हुआ इनके पिताजी श्री रामनायक सिंह परंपरागत किसान थे। परंपरागत कृषि से आय कम होने के कारन से परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। श्री ~~अजय~~ धनंजय कुमार सिंह का जन्म 1 मई 1969 को हुआ अपनी शिक्षा स्नातकोत्तर तक पूर्ण करने के पश्चात प्रतियोगिता परिक्षाओं की तैयारी करते रहे लेकिन सफलता नहीं मिलने पर ये अपने पिता के साथ 10 एकड़ की भूमि पर खेती कार्य करने लगे।

10. सफलता की कहानी 500 शब्दो में –

(किये जाने वाला कार्य के संबंध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी, उत्पाद कब और कहाँ बेचते है तथा तकनीकी एंव वितीय सहायता कहाँ से प्राप्त की है का पूर्ण विवरण)

श्री धनंजय कुमार सिंह शुरुआत में खेती करने की तकनीकी जानकारी के अभाव में खेती में कुछ खास रूचि नहीं थी। आत्मा द्वारा संचालित प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण के माध्यम से के विभिन्न कार्यक्रम में भाग लिए और प्रशिक्षण सह प्रत्यक्षण के माध्यम मशरूम की खेती प्रारंभ किये। इनके अलावे श्री कुमार ने श्री विधि से धान की खेती जैविक खेती, संरक्षित खेती, वर्मीकम्पोस्ट, मत्स्यपालन, सुगंधित एवं औषधिय पौधे की खेती। ~~ड~~ झोपड़ी मशरूम इत्यादि आरंभ किये।

Scanned with CamScanner

10.1. किये गये कार्य का 2–3 रंगीन फोटो किसान/समूह के साथ (फोटो को अपलोड करें/आवेदन में चिपकाएँ)

11. सफलता के लिये महत्वपूर्ण तत्व/घटक – परिभ्रमण, प्रशिक्षण एवं पाठशाला (व्यक्तिगत प्रयास/आत्मा से सहयोग/अन्य विभाग से सहयोग) के माध्यम से सहयोग

आत्मा से सहयोग एवं कृषि विभाग से सहयोग

12. स्थानीय स्तर पर किसानो के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव –
किसानों को मशरूम के प्रशिक्षण एवं स्पान लगाने के लिए रुची जागी। आस पास के किसान मशरूम उत्पादन कर प्रभावित हुए।

Scanned with CamScanner

13. सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र –

14. क्षेत्रवार लागत मूल्य, प्राप्त आमदनी एवं शुद्ध आय का विवरण (रु0 में) –

कम सं0	विवरण	अपनाने के पूर्व का विवरण		अपनाने के बाद का विवरण	
		प्रक्षेत्र 1	प्रक्षेत्र 2	प्रक्षेत्र 3	प्रक्षेत्र 4
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	फसल/क्षेत्र/कार्य का नाम	मशरूम	मशरूम	मशरूम	मशरूम
2.	फसल मौसम में फसल/उत्पाद की मात्रा (क्वीं में)	Oct to Feb 2.50 to 3.0 Qtl	''	''	''
3.	उत्पाद का बिकी मूल्य दर (रु0/क्वीं)	रू0 85/kg	''	''	''
4.	फसल मौसम में कुल लागत मूल्य	20-25 हजार रू	''	''	''
5.	उपादान का मूल्य (बीज, खाद, कीटनाशी, जुताई–बुआई, सिंचाई, कटाई, दौनी एवं अन्य)	स्पान 100 रू/kg कीटनाशी - 3000 रू	''	''	''
6.	मजदूर खर्च (रु0 में)	5000/रू	''	''	''
7.	अन्य लागत खर्च (रु0 में)	2500 रू	''	''	''
8.	कुल लागत खर्च (रु0 में)	30 से 35 हजार	''	''	''
9.	शुद्ध आय/बचत (रु0 में)	12000 से 15000	''	''	''

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी में सही है। भविष्य में कोई भी सूचना गलत पाये जाने पर मुझे सरकारी अनुदान/लाभ से वंचित किया जा सकता है तथा इसके लिए मैं पूर्ण रूप से जिम्मेवार रहूँगा।

धनंजय कुमार सिंह
किसान का हस्ताक्षर

10/12/2022
प्रतिहस्ताक्षर
प्रखंड तकनीकी प्रबन्धक/
सहायक तकनीकी प्रबंधक
रोहतास

हस्ताक्षर 13.12.22
परियोजना निदेशक
आत्मा, रोहतास।

Scanned with CamScanner

सफलता की कहानी

1. किसान का नाम -कमलेश सिंह
2. पिता - श्री अवधबिहारी सिंह
3. पूरा पता - ग्राम -चिकसील ,पो० - चौगाईं ,थाना -काराकट जिला -रोहतास
4. किसान का मोबाइल न० - 7491952327
5. किसान के पास खेती योग्य भूमि – 0.1/4 हेक्टेयर
6. सिंचित क्षेत्र - 0.1/4 हेक्टेयर
7. असिंचित क्षेत्र – 0.0हेक्टेयर
8. किसान के प्रकार - बुद्ध कृषक हिट समूह शब्जी उत्पादक

समूह कोषा (स्वयं सहायत समूह ,कृषक हिट समूह ,खाद सुरक्षा समूह महिलाओं के लिए / किसान उत्पादक संगठन के समूह सदस्य /या व्यक्ति

निबंधन करने वाली संस्था का नाम - कृषि प्रोधौगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा रोहतास /

निबंधन संख्या -23/2022-23

तिथि - 18-08-2022

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण (स्वयं अथवा समूह संगठन के सम्बन्ध में जानकारी , पूर्व के क्षेत्र / कार्य एवं आर्थिक स्थिति का विवरण)

अपनी खेती को अच्छे तरीके से विकसित करने के पूर्व मैं अपने खेतो में धान ,गेहूं ,मक्का का प्रचुर मात्रा में उत्पादन करता था / पर हमें

लागत के अनुसार बहुत ही कम आय की प्राप्ति होती थी / आत्मा विभाग के द्वारा गाइड लाइन के अनुसार मैंने प्रशिक्षण प्राप्त किया /जिससे

हमने अभी के समय धान की फसल अच्छी हुई / इसके साथ -साथ हमने पशुपालन का भी कार्य अच्छी तरीके से किया /

आत्मा विभाग द्वारा समूह का भी निर्माण किया गया है / जिस समूह में मैं सचिव हूँ / आत्मा विभाग के द्वारा बैटरी चालित मशीन भी उपलबंध

कराया गया है जिससे हम और हमारे कृषक समूह के लोग भी लाभार्वित है ।

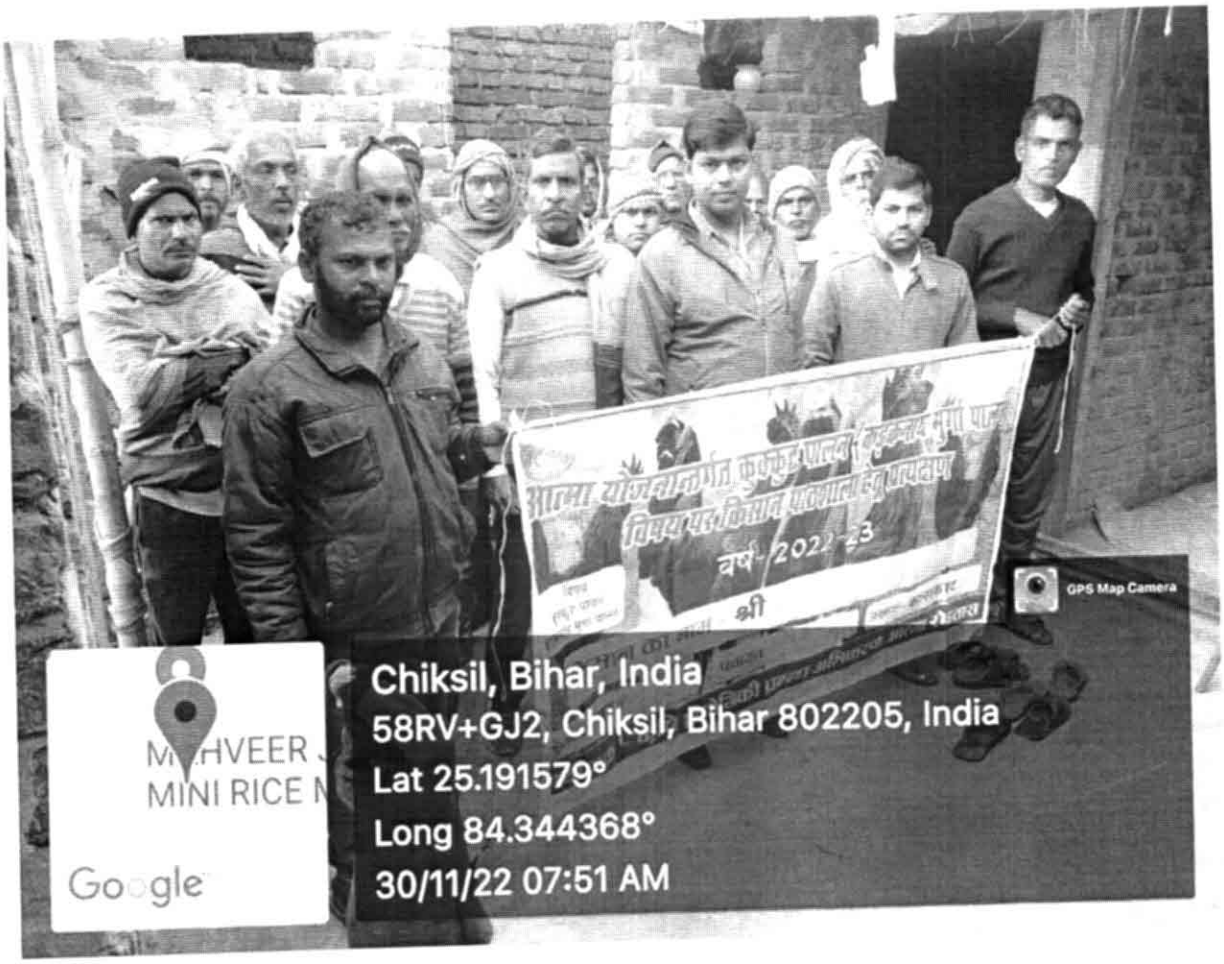

10. सफलत की कहानी - (किये जानेवाले कार्य के सम्बन्ध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी ,उत्पाद कब और कहा बेचना है तथा तकनिकी

वित्तीय सहायता कहा से प्राप्त की है का पूर्ण विवरण)

पूर्व के दिनों में धान -गेहू ,मक्का एवं कुछ शब्जी का उत्पादन हमारे द्वारा किया जाता था /पर आत्मा विभाग से प्रशिक्षण के बाद जब हमने प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायत तकनिकी प्रबंधक के संपर्क में आये तो हमने नयी -नयी तकनीक के द्वारा खेती करने लगा /धान ,गेहू ,

मक्का के साथ -साथ हमने बड़े पैमाने पर सभी ,मवेशी पालन ,मुर्गी पालन का कार्य किया / जिससे हमको अच्छे आय की प्राप्ति होती है /

इस आय से हम अपने परिवार का भरण -पोषण अच्छे ढंग से आकर पाते है / हमनें कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज से समूह का प्रशिक्षण प्राप्त किया है / प्रशिक्षण से मैं बहुत ही लाभान्वित हूँ/ हमने अपना उत्पाद

नजदीक के बाजार चौगाईं बाजार ,सकला बाजार एवं चिकसील बाजार में बेचते है /हमको अपने उत्पाद का अच्छा मूल्य प्राप्ति के लिए अपने फसल या अपने सामान की गुणवत्ता पर विशेष धयान रखें पड़ता है

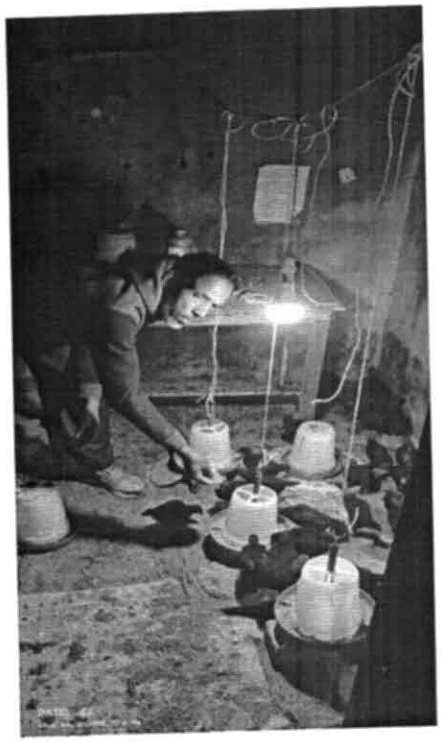

11. सफलता के लिए महत्वपूर्ण तत्व -धक् (व्यक्तिगत प्रयास।,आत्मा के सहयोग ,अन्य विभाग सहयोग)

आत्मा विभाग से मुझे कई प्रशिक्षण प्राप्त हुए।

1. कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज रोहतास।
2. समूह निर्माण का प्रशिक्षण एवं
2. समूह के अंतर्गत होनेवाले प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के द्वारा ,एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक के द्वारा प्रशिक्षण।

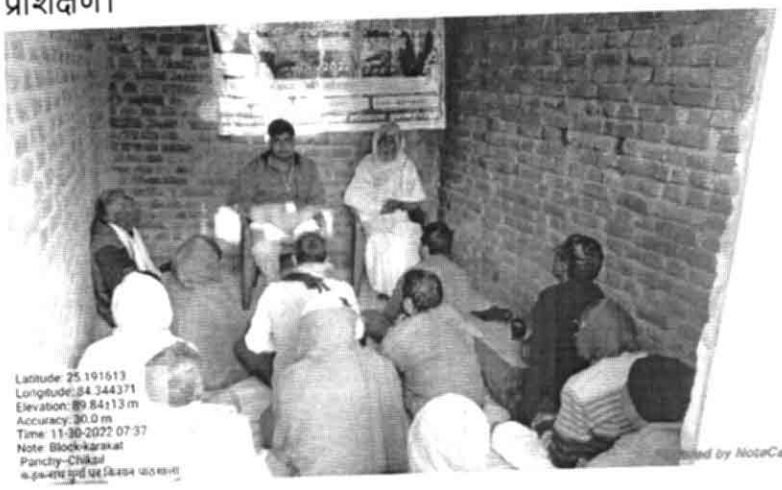

12. स्थानीय स्तर पर किसानो के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव।

आत्मा विभाग के सहयोग से जो हमें लाभ प्राप्त हो रहा है इसे देखकर गांव के लोग प्रभावित है। साथ -ही - साथ गांव और अगल -बगल के गांव के लोग भी इस प्रगति को देखकर आत्मा से जुड़ना चाहते हैं। एवं इसी तरह ही अपने खेत में भी कार्य करना चाहते है।

13. सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार या प्रशस्तिपत्र -

आत्मा विभाग से समूह निर्माण के बाद मुझे बैटरी चालित स्पेयर दिया गया है। एवं समूह निर्माण का प्रमाण पत्र भी प्रखंड तकनिकी प्रबंधक के द्वारा दिया गया है। -

मार्गदर्शन देने वाले संस्था के अधिकारी का नाम

एवं संस्था का नाम -- अजित सिंह

प्रखंड तकनिकी प्रबंधक

प्रखंड काराकट (आत्मा) रोहतास।

AGRICULTURAL TECHNOLOGY MANAGEMENT AGENCY (ATMA) ROHTAS

PERFORMA FOR COLLECTION SUCCESS STORIES FROM FARMERS

किसानो से सफलता की कहानियों के संग्रह के लिए प्रदर्शन

SL No.	Components	अवयव
1.	Name of Farmer	कंचन देवी
2.	Address	
	Village	गिरधरपुर
	Post	रामपुर
	District	रोहतास
	State	बिहार
3.	Contact datails	7256959782
4.	Details of tha Farm (Size,Location,water,availability etc)	कंचन देवी मशरूम केन्द्र Crop Production,location- ,water availability-yes
5.	Membership खाद सुरक्षा समूह Cooperative/Company,cooperative society etc.(Give details)	भगवती महिला खाद्य सुरक्षा समूह,गिरधरपुर कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्ध अभीकरण आत्मा रोहतास द्वारा 2021 में निबंधित है।
6.	Name of the central sector/state scheme utilized by the farmers and the period	नही।
7.	Technologies/Good Agriculture Practices/Facilities/Benefits	लाभ– आर्थिक लाभ में बेरोजगारी और पुआल जलाने से नुकसान होता है और उसका उपयोग करने से आर्थिक लाभ मिलता है। पुआल के मशरूम से हर प्रकार की सब्जी,आचार,खीर,मिठाई,विस्कुट आदि बनाए जाते है। पुआल न जलाने से पर्यावरण की भी रक्षा हुई और हमारे मशरूम खाने वाले लोगो को स्वस्थ्य लाभ और पोषक तत्व मिलता है। हानि– कुछ नही, बिल्कुल ऑर्गेनिक प्रौद्योगीकीय – पुआल इकठा करना+ भुसा बनाना+ भुसा भिंगोना + ढकना+ छान कर एक्स्ट्रा पानी निकालना + कुछ देर सुखाना छाव में +फिर बिज मिक्स करना+ बैग बनाना+ बैग का मुंह बांधना+बैग में 20 से 25 छेद करना+ अंधेरे कमरे में रखना 15 दिनों के लिए+ फिर उत्पादन कछ में रखना+सुबह शाम हवा के लिए खिड़की खोलना + पानी देना+दवा देना+तोड़ना+पैक करना+जैम/आचार/जैली बर्फी/नमकीन+ड्राई मशरूम तैयार करना +धोना + तौल कर पैकिंग करना + गाँव/देहात/बाजार ले –जाकर बिक्री करना। सुविधाएं– कच्चा माल आसानी से मि जाता है।

8.	Details of result obtained due to the adaptation of technologies (season-wise crops grown,techniques adopted, result achieved etc.)		आरेस्टर मशरूम– सितम्बर से मार्च तक बटन मशरूम– अक्टुबर से फरवरी तक मिल्की मशरूम– अप्रैल से अक्टुबर तक परिणाम– ओयेस्टर मशरूम अच्छा रहा ओयेस्टर मशरूम का उत्पादन खर्च प्रति बैंग 60 रू तथा उत्पादन 1kg/बैंग तथा यें 120 रू/ kg बिकता है यानी मुनाफा 60रू/ बैग होता है। जैली प्रति kg खर्च 200 रू तथा बिक्री 250 रू/ kg यानी मुनाफा 50 रू प्रति kg होतो है। आचार उत्पादन– लागत 250 रू/ kg तथा बिक्री 350रू/ kg यानी मुनाफा 100 रू/ kg स्प्रेयर –मशीन की संख्या–1
	a.	मशरूम Prouction(PER BAG)	1–1.5 kg
	b.	Cost of Production per Bag(Rs.)	60रू
	c.	Net Profit per Bag(Rs)	50रू
	d.	Number of Sprays	2 बार
	e.	Cost of Spray(Rs)	20रू
	f.	Natural Resource saved/Conserve like soil,water etc.	पर्यावरण कि रक्षा– किसानो का वेस्ट चीज जिसे लोग जलाते है। उनका हम उपयोग करते है। जिससे वायु प्रदुषित होने से बचता है और मिट्टी भी पकने से बचता है। जिससे मिट्टी में छुपे हुए किसानो के मित्र किट्टो की रक्षा होती है। जिससे किसानो के खेतो की नमी बरकरार रहेगी। पानी की बहुत कम खर्च।
	g.	Product,Quality Improvement	गुणवता में बहुत सुधार हुआ है, पहले जहॉ प्रति बैग 500 g मशरूम निकलता था, और उसका जैम जैली आदी बनाकर बेचने लगे।
9.	Marmeting Strategy Access to market (Through Privater, Cooperativ, Contaract Farming,etc.)		इसका विस्तृत बाजार मुझे नही मिला जिससे हम अपने ही क्षेत्र में उगाकर और उसका प्रोडक्ट तैयार कर गॉव–गॉव जाकर बेचते है।
10.	Factors Contribution to success		कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभीकरण आत्मा रोहतास,
11.	Any other relevant information		जिला उद्यान पदाधिकारी सासाराम रोहतास के अभय मंडल,आत्मा द्वारा समय समय पर इच्छा अनुभव प्रदान किये संस्था के संयोजक संतोष कुमार सिंह का बहुत बड़ा योगदान रहा।

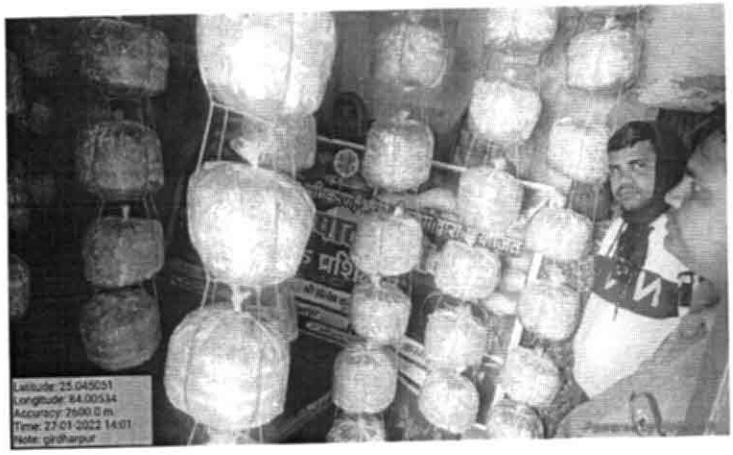
Latitude: 25.045051
Longitude: 84.00534
Accuracy: 2600.0 m
Time: 27-01-2022 14:01
Note: girdharpur

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्ध अभिकरण (आत्मा) रोहतास द्वारा प्रायोजित
किसान पाठशाला
कृषक प्रशिक्षण
वर्ष
2021-22
मॉडल
उत्पादन

सफलता की कहानी

1. किसान का नाम– धनेश्वर गुप्ता
2. पिता का नाम– योगेश्वर साह
3. पूरा पता– ग्राम– बतसा, पोस्ट– बहुआरा, थाना– दावथ, प्रखण्ड– दावथ, जिला– रोहतास
4. किसान का मोबाईल नं0– 9110097352
5. किसान के पास खेती योग्य भूमि (हे0में)– 0.8 हे0
6. सिंचित क्षेत्र (हे0में)– 0.8 हे0
7. असिंचित क्षेत्र (हे0में)– 0.0 हे0
8. किसान के प्रकार– महावीर सब्जी उत्पादक समूह– अध्यक्ष (स्वयं सहायता समूह/कृषक हीत समूह/ खाद्य सुरक्षा समूह महिलाओं कें लिए/ किसान उत्पादक संगठन के सदस्य/व्यक्ति)

➢ निबंधन करने वाली संस्था का नामः– कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्ध अभीकरण आत्मा रोहतास

निबंधन संख्या– 84/2005–06

तिथि– 18.09.2022

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण (स्वयं अथवा समूह/संगठन के संबंध में जानकारी, पूर्व के क्षेत्र/कार्य एवं आर्थिक स्थिति का विवरण)

➢ शुरूआती दिनों में ये किसी स्वयं अथवा समूह से नहीं जुड़े थे। इनमें कुछ नया जानने की लगन तो बहुत पहले से थी। शुरूआती दिनों में अपने खेत पर धान गेहूँ की बुआई करते थे। पर इनकों ज्यादा आय प्राप्त नहीं होता था। जब

इनके पंचायत में किसान चौपाल आत्मा विभाग के द्वारा चलाया गया तो यह प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक के संपर्क में आये तो शुरूआत में इन्होंने समूह का निर्माण किया और इसके बाद ये अपने खेत में धान–गेहूँ के अलावा बड़े पैमाने पर सब्जी का उत्पादन करने लगे जिससे इनकों अच्छा आय प्राप्त होने लगा। समूह निर्माण के बाद इनकों बैट्री चालित स्प्रेयर विभाग द्वारा दिया गया। स्प्रेयर से ये अपने खेत में तो छिड़काव करते ही है, समूह के लोग भी लाभान्वित है साथ–साथ भाड़ा पर भी चलाते है। जो समूह के आय का श्रोत भी है। आत्मा के द्वारा ये मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण भी इन्हे प्राप्त हुआ है। एवं मूर्गी पालन इनके द्वारा पहले से भी किया जाता था तो, इनको कड़कनाथ मूर्गा आत्मा विभाग के द्वारा दिया गया है।

10.सफलता की कहानी– (किये जाने वाले कार्य के संबंध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी, उत्पाद कब और कहाँ बेचना है। तथा तकनीकी वित्तीय सहायता कहाँ से प्राप्त की है। का पूर्ण विवरण)

- आत्मा कार्यालय से जुड़ने के पहले में अपने खेतों पर धान–गेहूँ मुख्य रूप से लगाते थें। पर आय कम प्राप्त होने के कारण में कुछ नया करने की लगन को लेकर जब ये आत्मा से जुड़े तो सब्जी का खेती बड़े पैमाने पर करने लगे जिससे इनको अच्छा आय प्राप्त होता है। महाबीर सब्जी उत्पादक समूह का निर्माण इनके द्वारा किया गया है। इसके ये अध्यक्ष है। ये अपना उत्पाद नजदीक के मलियाबाग बाजार में बेचते हैं इनके द्वारा कड़कनाथ मूर्गा भी पाला जा रहा है। मशरूम का प्रशिक्षण लेने के बाद ये उसमें भी रूचि ले रहे है। एवं इसका उत्पाद भी ये मलियाबाग बाजार में बेचते है। इनको तकनीकी की जानकारी आत्मा विभाग द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण से हुआ है। समूह प्रशि़क्षण के बाद इनके समूह को बैट्री चालित स्प्रेयर मशीन आत्मा विभाग के द्वारा दिया गया है। जो इनके और समूह के कार्य को आसान बनाता ही है, साथ–हीं–साथ ये

भाड़ा पर लगाकर समूह के लिए धन भी प्राप्त करते है। कार्य में कुशल एवं इनकी लगनता इनकों आगे बढ़ा रही है। एवं आने वाले समय में इनका समूह एक बेहतर परिणाम देने के लिए तत्पर है।

11. सफलता के लिए महत्वपूर्ण तत्व/धाक– (व्यक्तिगत प्रयास/आत्मा से सहयोग/अन्य विभाग से सहयोग)

- आत्मा विभाग के द्वारा इन्होने समूह का निर्माण किया जिसका नाम ''महावीर सब्जी उत्पादक समूह'' है। इन्होने कृषि विज्ञान केन्द्र बिक्रमगंज से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एवं अन्य तकनीक की जानकारी यह आत्मा के सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक से लेते रहते है।

12.स्थानीय स्तर पर किसानों के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव

- आत्मा विभाग के सहयोग से जो इन्हें लाभ प्राप्त हो रहा है इसे देखकर गॉव के अन्य लोग तो प्रभावित हैं ही साथ–ही–साथ इनके अगल–बगल के गॉव के लोग भी आत्मा से जुड़ना चाहते है एवं इनकी तरह ही अपने खेत में भी कार्य करना चाहते है।

13.सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र–

- आत्मा विभाग से समूह निर्माण के बाद इनको बैट्री चालित स्प्रेयर दिया गया है एवं समूह निर्माण का प्रमाण पत्र इनको दिया गया है।

आशुतोष कुमार

प्रखंड तकनीकी प्रबंधक

दावथ, रोहतास

सफलता की कहानी

1. किसान का नाम– उमाकांत सिंह
2. पिता का नाम– श्री सुरज देव सिंह
3. पूरा पता– ग्राम– हीरापुर, पोस्ट– दावथ, थाना– दावथ– प्रखण्ड– दावथ, जिला– रोहतास
4. किसान का मोबाईल नं0– 8825341788
5. किसान के पास खेती योग्य भूमि (हे0में)– 0.5 हे0
6. सिंचित क्षेत्र (हे0में)– 0.5 हे0
7. असिंचित क्षेत्र (हे0में)– 0.0 हे0
8. किसान के प्रकार– नारायण कृषक हीत समूह– सब्जी उत्पादक समूह– सचिव (स्वयं सहायता समूह /कृषक हीत समूह/ खाद्य सुरक्षा समूह महिलाओं कें लिए/ किसान उत्पादक संगठन के सदस्य/व्यक्ति)

➢ निबंधन करने वाली संस्था का नामः– कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्ध अभीकरण आत्मा रोहतास

निबंधन संख्या– 84/2005–06

तिथि– 18.09.2022

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण (स्वयं अथवा समूह/संगठन के संबंध में जानकारी, पूर्व के क्षेत्र/कार्य एवं आर्थिक स्थिति का विवरण)

➢ अपनी खेती को तकनीकी रूप से विकसीत करने के पहले यह अपने खतों पर धान गेहूँ एवं कुछ मात्रा में सब्जी का उत्पादन करते थे। पर इनकों ज्यादा आय प्राप्त नहीं होता था। आत्मा विभाग के संपर्क में आने के बाद इन्होंने कई प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिससे यह प्रोत्साहित होकर अपने खेत में नई तकनीक का इस्तेमाल करने लगे। उद्यानिक फसल लगाने के साथ–साथ पशुपालन भी

करने लगे आत्मा विभाग द्वारा इन्होने समूह का भी निर्माण किया है। जिसके ये सचिव है। आत्मा विभाग के द्वारा इन्हें बैटरी चालित स्प्रेयर भी दिया गया है। जिससे समूह के सभी लोग लाभान्वित है एवं इसकों भाड़ा पर लगाकर समूह के लिए आय भी प्राप्त कर रहें है।

10. सफलता की कहानी– (किये जाने वाले कार्य के संबंध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी, उत्पाद कब और कहॉ बेचना है। तथा तकनीकी वित्तीय सहायता कहॉ से प्राप्त की है। का पूर्ण विवरण)

- शुरूआती दिनों में धान–गेहूँ एवं कुछ सब्जी का उत्पादन इनके द्वारा किया जाता था। पर आत्मा विभाग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये। जब प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक के सम्पर्क में आये तो ये तकनीक रूप से खेती करने लगे। धान–गेहूँ के अलावा बड़े पैमाने पर उद्यानिक फसल, सब्जी, पशुपालन तालाब में मछली पालन करने लगे। जिससे इनकों अच्छा आय प्राप्त होता है। एवं अपने परिवार का भरण–पोषण अच्छे से कर पाते है। इन्होंने नालन्दा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय, नालन्दा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र बिक्रमगंज, से समूह का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षण से यह काफी लाभान्वित हुए है। ये अपना उत्पाद नजदीक के भी बाजार मलियाबाग दावथ में एवं कोवाथ बाजार, दावथ में बेचते है। अपने उत्पाद का अच्छा मूल्य प्राप्त हो ऐसा प्रयास इनका हमेशा रहता है एवं ये अपने समान की गुणवता भी बनाये रखना चाहते हैं। मशरूम का प्रशिक्षण भी इन्हें प्राप्त है ये मशरूम का उत्पादन मौसम के अनुसार करते है। उद्यान के फसल से अच्छा आय प्राप्त होता है। इन्होंने अपने जमीन पर कुछ वन भी लगाया है, जिसमें सागवान और महोगनी महत्वपूर्ण है, जिसका बढ़वार अभी तक सही है।

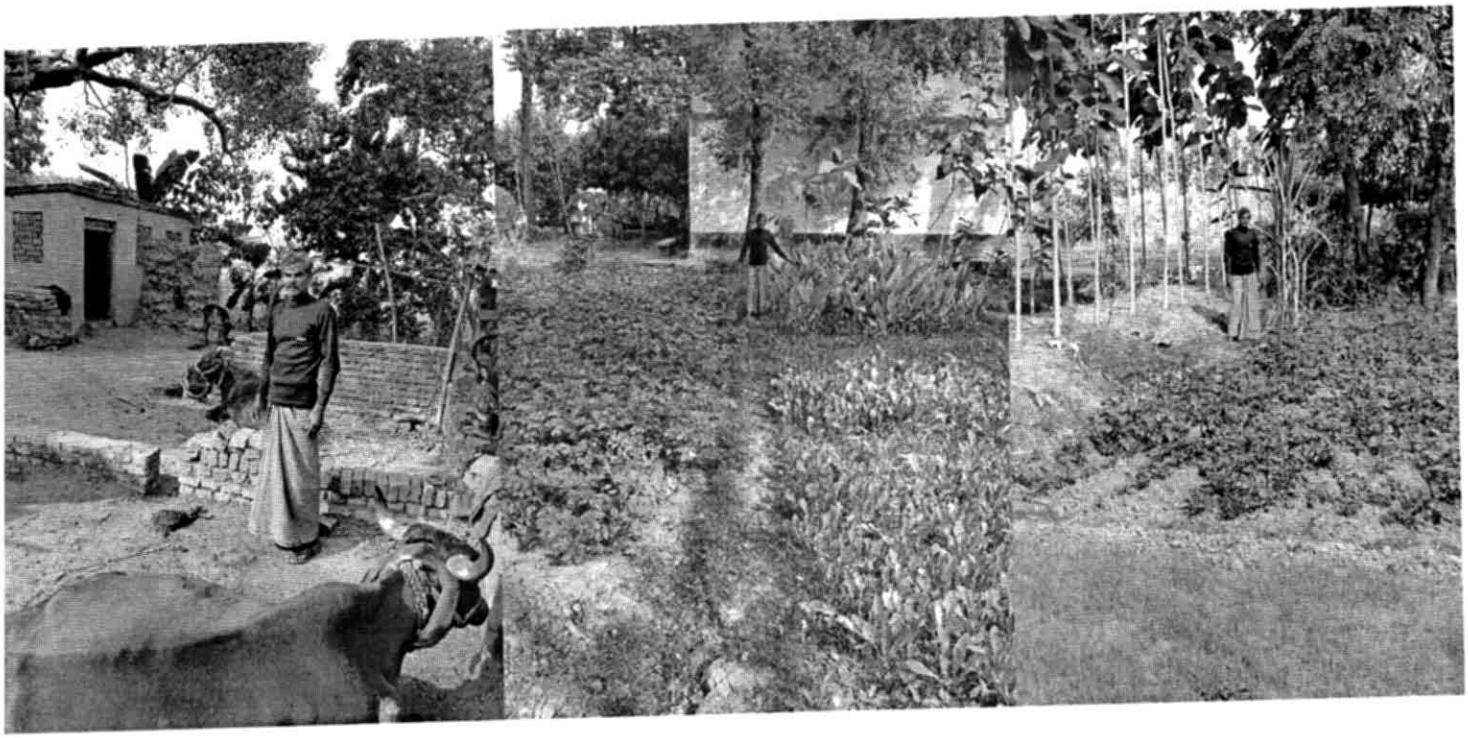

11. सफलता के लिए महत्वपूर्ण तत्व/धाक– (व्यक्तिगत प्रयास/आत्मा से सहयोग/अन्य विभाग से सहयोग)

- आत्मा विभाग से इन्हे कई प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।
  1. नालन्दा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय नालंदा
  2. कृषि विज्ञान केन्द्र बिक्रमगंज, रोहतास
  3. समूह निर्माण का प्रशिक्षण
  4. मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण।

  मनरेगा से इन्होने तालाब खोदवाया है एवं आत्मा विभाग से समूह का निर्माण इन्होंने किया है।

12. स्थानीय स्तर पर किसानों के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव

- आत्मा विभाग के सहयोग से जो इन्हें लाभ प्राप्त हो रहा है इसे देखकर गॉव के अन्य लोग तो प्रभावित हैं ही साथ–ही–साथ इनके अगल–बगल के गॉव के लोग भी आत्मा से जुड़ना चाहते है एवं इनकी तरह ही अपने खेत में भी कार्य करना चाहते है।

13.सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र–

- आत्मा विभाग से समूह निर्माण के बाद इनको बैट्री चालित स्प्रेयर दिया गया है एवं समूह निर्माण का प्रमाण पत्र इनको दिया गया है।

गोविंदा कुमार
सहायक तकनीकी प्रबंधक
दावथ, रोहतास

कृषि / कृषि के संबद्ध क्षेत्रों में सफलता की कहानी

कहानी का विषय – मशरूम उत्पादन

1. किसान का नाम – पंकज कुमार

2. पिता / पति का नाम – स्व० महेश प्रसाद

3. पूरा पता – ग्राम–

गांव / मुहल्ला – नारायणपुर

पोस्ट – मानिकपुर

थाना – इन्द्रपुरी

प्रखंड – डिहरी

जिला – रोहतास

4. किसान का दूरभाष / मोबाइल सं0– 7128849392

5. किसान के पास खेती योग्य भूमि (हे0 में) –

6. सिंचित क्षेत्र (हे0 में) –

7. असिंचित क्षेत्र (हे0 में) –

8. किसान का प्रकार –पशुपालन हित समूह के कोषाध्यक्ष

(स्वयं सहायता समूह / कृषक हित समूह / खाद्य सुरक्षा समूह महिलाओ के लिये / किसान उत्पादक संगठन के सदस्य / व्यक्तिगत) व्यक्तिगत

अगर समूह / संगठन के सदस्य है तो समूह का नाम, निबंधन करने वाली संस्था का नाम, निबंधन संख्या एवं तिथि का उल्लेख करें –

निबंधन सं0 – 234147329989 8

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण 250 शब्दों में –

(स्वंय अथवा समूह / संगठन के संबंध में जानकारी, पूर्व के क्षेत्र / कार्य एवं आर्थिक स्थिति का विवरण) :– मेरा नाम पंकज कुमार है। मैं एक साधारण परीवार सें आता है।
मुझे बचपन सें बगवानी और फूल पौधा लगाने का शौक था। मैं हमेशा सें सोचता था, कि कम सें कम जगह में कुछ ऐसा किया जाए, जिससे, अपनी और घर का भी आय का कुछ स्रोत बने। इसी दौरान मैं अपना आगे की पढ़ाई के लिए जिवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर (म० प्र०) से मास्टर डिग्री किया। इसी के दौरान मुझें Mashroom cultivation & Production के बारे में बताया गया। डिग्री पुरा कर जब मैं घर आया तो Experiment के तौर पर मैंने 2017 में पहली बार मशरूम की उत्पादन किया जिसमे मुझे अच्छी सफलता पहली बार मे ही मिला। फिर उसके बाद अभी तक मैं 5 वर्षों सें इसकी खेती कर रहा हूँ।

10. सफलता की कहानी 500 शब्दों में – मशरूम उत्पादन (बटन एवं ओयेस्टर)

(किये जाने वाला कार्य के संबंध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी, उत्पाद कब और कहाँ बेचते है तथा तकनीकी एवं वितीय सहायता कहाँ से प्राप्त की है का पूर्ण विवरण)
जब मैंने इसकी खेती पहली बार की तब मुझे अच्छी सफलता मिला, जबकी ये मेरा पहला Experiment था, जो अपने खाने के लिए लगाया था, लेकिन अच्छी फसल होने के कारण मैंने अपने आस-पास के लोकल Area में Sell करना भी किया, जिससे मेरा लगाया हुआ पूंजी भी वापस हो गया और फायदा भी हुआ। उस समय मैं 100 Bag सें शुरू किया था, और आज 2000 Bag से ज्यादा का उत्पादन करते है, जिसमें मेरा दोस्त, Student और परीवार के सदस्य लोग भी शामिल रहते है। इसकी बिक्री लोकल एरिया और मार्केट मे असानी से हो जाता है। इन सभी कार्यों में मेरे दोस्तो का महत्वपुर्ण भुमिका रहता है, जो भी उत्पादन और उस सें संबंधित समाग्रि ये सब में सभी का सहयोग रहता है। वर्ष 2021-22 में आत्मा के सहयोग सें मैंने अपने गाँव नारायण पुर में किसान पाठशाला भी चलाया था।
(oyster mushroom)

13. सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार / प्रशस्ति पत्र – नहीं

14. क्षेत्रवार लागत मूल्य, प्राप्त आमदनी एवं शुद्ध आय का विवरण (रु0 में) –

क्रम सं0	विवरण	अपनाने के पूर्व का विवरण		अपनाने के बाद का विवरण	
		प्रक्षेत्र 1	प्रक्षेत्र 2	प्रक्षेत्र 3	प्रक्षेत्र 4
1	2	3	4	5	6
1.	फसल / क्षेत्र / कार्य का नाम	मशरूम	मशरूम	मशरूम	मशरूम
2.	फसल मौसम में फसल / उत्पाद की मात्रा (क्वीं में)	Oct to Feb / (5-10) क्वींटल	"	"	"
3.	उत्पाद का बिक्री मूल्य दर (रु0 / क्वीं)	₹ 80/kg	"	"	"
4.	फसल मौसम में कुल लागत मूल्य	(40-50) हजार रु0	"	"	"
5.	उपादान का मूल्य (बीज, खाद, कीटनाशी, जुताई–बुआई, सिंचाई, कटाई, दौनी एवं अन्य)				
6.	मजदूर खर्च (रु0 में)	Self.	"	"	"
7.	अन्य लागत खर्च (रु0 में)	(2500-3000) हजार	"	"	"
8.	कुल लागत खर्च (रु0 में)	₹ (40-50) हजार	"	"	"
9.	शुद्ध आय / बचत (रु0 में)	(25-30) हजार	"	"	"

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी में सही है। भविष्य में कोई भी सूचना गलत पाये जाने पर मुझे सरकारी अनुदान / लाभ से वंचित किया जा सकता है तथा इसके लिए मैं पूर्ण रूप से जिम्मेवार रहूँगा।

Pankaj Kumar
किसान का हस्ताक्षर

Paswan ATM
प्रतिहस्ताक्षर
प्रखंड तकनीकी प्रबन्धक / सहायक तकनीकी प्रबंधक, रोहतास

हस्ताक्षर
परियोजना निदेशक
आत्मा, रोहतास।

10.1 किये गये कार्य का 2–3 रंगीन फोटो किसान/समूह के साथ (फोटो को अपलोड करें/आवेदन में चिपकाएँ)

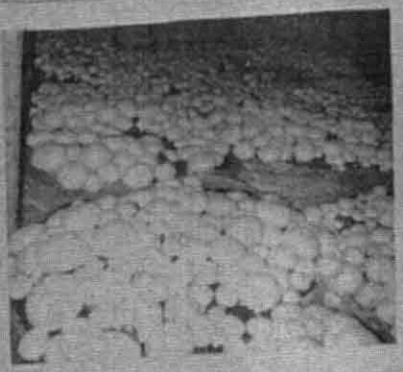

11 सफलता के लिये महत्वपूर्ण तत्व/घटक – प्रशिक्षण से सहयोग (पाठशाला से सहयोग)

(व्यक्तिगत प्रयास/आत्मा से सहयोग/अन्य विभाग से सहयोग)

आत्मा से सहयोग एवं कृषि विभाग से सहयोग

12 स्थानीय स्तर पर किसानों के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव – मशरूम की खेती करने के लिए प्रभावित (किसान) मशरूम की खेती शुरू की एवं और प्रशिक्षण लेने के लिए प्रभावित हुये।